हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 02 मई 2014, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 7

बाजार के लिए बेहतर साबित होगा मई

नई दिल्ली | एजेंसियां

शेयर बाजार के लिए मई महीना बेचो और निकल जाओ की रणनीति का होता है, लेकिन इस साल संभवतः यह रणनीति कारगर साबित नहीं होगी। विश्लेषकों का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के सतत प्रवाह और चुनाव बाद सुधार समर्थक सरकार के सत्ता में आने की उम्मीद में मई में कोई बड़ी गिरावट नहीं देखने को मिलेगी।

अलंकित असाइनमेंट लिमिटेड के निदेशक अंकित अग्रवाल का कहना है शेयर बाजार का ट्रेंड बदला हुआ है। इस बार मई का महीने में बाजार तकनीकी रूप से भी अच्छा लग रहा है। यदि कोई गिरावट आती है तो उसे खरीदारी का मौका मानना चाहिए। आशिका ब्रोकर्स के अनुसंधान प्रमुख पारस बोथरा ने कहा, बाजार में हमेशा यह कहा जाता है कि मई में बेचो और निकल जाओ। लेकिन इस साल यह सही साबित नहीं होगा, क्योंकि बाजार काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वैश्विक बाजारों का रुख भी सकारात्मक है। 16 मई का दिन निर्णायक रहेगा। बाजार में उतार-चढ़ाव तो रहेगा, लेकिन कोई भारी भरकम बिकवाली देखने को नहीं मिलेगी।

पिछले साल को छोड़कर बीते तीन बरसों में मई में शेयर बाजारों में बिकवाली का दौर चला। 2012 में मई में बंबई शेयर बाजार के सेंसेक्स में 6.26 फीसदी की गिरावट आई। 2011 में मई में सेंसेक्स 2.6 प्रतिशत लुढ़का, जबकि मई, 2010 में इसमें 2.53 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि, मई, 2014 में सेंसेक्स में 24.53 अंक की बढ़त रही थी।

एक अन्य विश्लेषक ने कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो यह अर्थव्यवस्था और शेयर बाजारों के लिए स्थिरता का संकेत होगा और इसे काफी सकारात्मक रूप में लिया जाएगा। इससे बाजार नई ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि निफ्टी के लिए यह नया उच्च स्तर 7,300 से 7,800 के बीच हो सकता है।

अनुमान

- पिछले चार में तीन सालों में मई के दौरान आई बड़ी गिरावट
- इस बार यदि गिरावट आई तो निवेशकों को खरीदारी की सलाह
- निवेश के लिए मिडकैप फार्मा, एग्री कमोडिटी कंपनियां बेहतर